No. of Printed Pages : 4

बी.एस.के.एफ.-001

00705

संस्कृत में आधार पाठ्यक्रम

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2010

बी.एस.के.एफ.-001

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

1. (क) निम्नलिखित शब्दों को शुद्ध रूप में लिखिए : 2

पंडित, तेज, लिंग, देवत्त्व।

(ख) कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से **किसी एक** को चुनते हुए रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। 2

(i) देव _____ पाहि सर्वदा।
(अहम्, अस्मान्)

(ii) _____ उदिते कृष्णः प्रस्थितः।
(सूर्ये, सूर्यस्य)

(iii) नवम्यां कक्षायां _____ छात्राः।
(शतं, शतानि)

(iv) _____ धनमस्ति।
(अत्याधिकम्, अत्यधिकं)

2. (क) निम्नलिखित शब्दों के निर्दिष्ट रूप लिखिए : 2

(i) सुधी (पुंल्लिंग) सप्तमी विभक्ति, एकवचन

(ii) गुरु (पुंल्लिंग) पञ्चमी विभक्ति, बहुवचन

(iii) नदी (स्त्रीलिंग)षष्ठी विभक्ति, द्विवचन

(iv) गृह (नपुंसकलिंग) सप्तमी विभक्ति, बहुवचन

(ख) निम्नलिखित में से ***किन्हीं दो*** धातुरूपों में धातु, लकार, पुरुष एवं वचन का निर्देश कीजिए : 2

गच्छतः, अवपाम, पाठयिष्यतः, अपठः।

3. निम्नलिखित पदों में धातु एवं प्रत्यय को अलग करके दिखलाइए : 4

पश्यत्, वर्तमान, कान्तवत्, दास्यत्।

4. निम्नलिखित कर्तृ-वाच्य के प्रयोगों को कर्म-वाच्य में प्रयोग कीजिए : 4

(i) अहं गृहं गच्छामि।

(ii) देवदत्तः ग्रामं गच्छति।

(iii) रामः मोदकं खादति।

(iv) सः ग्रन्थं पठति।

5. (क) निम्नलिखित पदों में सन्धि-विच्छेद कीजिए : 2

परमार्थः, महौषधिः, षण्मुखः, रामोऽवदत्।

(ख) निम्नलिखित वर्णों का उच्चारण-स्थान बताइए : 2

श, ल, ओ, ण।

6. निम्नलिखित में से *दो* विषयों पर (100 - 15- शब्दों में) आलेख लिखिए : 8

(क) 'कुमारसम्भव' महाकाव्य

(ख) महाकवि बाणभट्ट

(ग) नाट्य–साहित्य की परम्परा

(घ) 'हितोपदेश' नीतिकथाः एक परिचय

7. निम्नलिखित में से ***किसी एक*** विषय पर लगभग 300 शब्दों में संस्कृत भाषा में निबंध लिखिए : 8

(क) अनुशासनस्य महत्त्वम्।

(ख) विद्या ददाति विनयम्।

(ग) संस्कृतशिक्षा कथमुपयुक्ता भवेत्?

(घ) सहसा विदधीत न क्रियाम्।

8. निम्नलिखित पद्य को पढ़िये और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 4

निन्दन्तु नीतिनिपुणा यदि वा स्तुवन्तु
लक्ष्मीः समाविशतु गच्छतु वा यथेष्टम्।
अद्यैव वा मरणमस्तु युगान्तरे वा
न्याय्यात् पथः प्रविचलन्ति पदं न धीराः।।

(क) 'न्याय मार्ग' किसे कहते हैं?

(ख) उपर्युक्त पद्य में किसके द्वारा निन्दा या स्तुति की चर्चा की जा रही है?

(ग) कौन न्यायपथ से नहीं हटते हैं?

(घ) धैर्यवान् मनुष्य किसकी चिन्ता नहीं करते हैं?

9. निम्नलिखित में से ***किसी एक*** की सन्दर्भ-सहित व्याख्या कीजिए : 4

(क) दिवं यदि प्रार्थयसे वृथा श्रमः, पितुः प्रदेशास्तव
देवभूमयः।
अथोपयन्तारमलं समाधिना, न रत्नमन्विष्यति
मृग्यते हि तत्।।

(ख) ईर्ष्यी घृणी त्वसंतुष्टः क्रोधनो नित्यशङ्कितः।
परभाग्योपजीवी च षडेते दुःखभागिनः।।

(ग) माता गुरुतरा भूमेः खात् पितोच्चतरस्तथा।
मनः शीघ्रतरं वाताच्चिन्ता बहुतरी तृणात्।।

10. निम्नलिखित वाक्य का संक्षेपण कीजिए : 6

मनुष्यस्य जीवने बुद्धेरत्यन्तं महत्त्व अस्ति। बुद्धियुक्तः अल्पबलोऽपि जनः महत्कार्य सम्पादषितुं प्रभवति। बुद्धिबलेनैव मानवः सर्वान् प्राणिनः अतिक्रम्य वर्त्तते। अनयैव मनुधेन प्रकृतिः वशं नीता, कृताश्च विविधा आविष्काराः।

अथवा

अनौपचारिक पत्र की शैली का ध्यान रखते हुए एक अनौपचारिक पत्र का नमूना प्रस्तुत कीजिए।